हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 197 | 15 जुलाई 2025 मंगलवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य ×2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

कांवड़ यात्रा को लेकर सीएम योगी ने दिए निर्देश, कहा...

विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटे

- **खानपान सामग्री की करें जांचः योगी**
- **महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाएः योगी**

लखनऊ,(एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ ने महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा पर विशेष जोर दिया और महिला पुलिसकर्मियों की प्रभावी तैनाती के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए और खुफिया एजेंसियों को किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज पवित्र श्रावण मास में कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। तीर्थयात्रा के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिए शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सतर्क, संवेदनशील और सक्रिय रहने के निर्देश दिए। सीएमओ ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर स्वच्छता, चिकित्सा सेवाएँ, पेयजल, कैंटीन, विश्राम स्थल और शौचालय सहित पर्याप्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा पर विशेष जोर दिया और महिला पुलिसकर्मियों की प्रभावी तैनाती के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए और खुफिया एजेंसियों को किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने दृढ़ता से कहा कि यात्रा में खलल डालने की किसी भी कोशिश का तुरंत और सख्त जवाब दिया जाना चाहिए। खाद्य सुरक्षा पर जोर देते हुए, उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन को स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता बनाए रखने के लिए नियमित जाँच करने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश सरकार ने सावन माह में शिवभक्तों की आस्था की प्रतीक कांवड़ यात्रा में खासकर महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए करीब 10 हजार महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के तीन स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने के धमकी मिली, हालांकि पुलिस जाँच में किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर–16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित एक स्कूल से बम की धमकी के बारे में सूचना मिली। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहनता से जांच की। उन्होंने कहा कि फिलहाल कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस आगे की जांच कर रही है और जिस ईमेल से धमकी मिली है उसके स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।तलाशी अभियान जारी, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों स्कूलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है।

बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया'

- **कुर्सी बचा रहे सीएम, राहुल का नीतीश सरकार पर निशाना**

पटना,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' – हर गली में डर, हर घर में बेचौनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। वहीं, विपक्ष बिहार में कानून व्यवस्था और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर एनडीए सरकार पर लगातार हमला बोल रहा है। इन सबके बीच कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' – हर गली में डर, हर घर में बेचौनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज। नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल ने आगे लिखा कि सीएम कुर्सी बचा रहे हैं, बीजेपी मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं – इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर एक के बाद एक अंजाम दी जा रहीं हत्या की घटनाओं ने बिहार की कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस ने इन घटनाओं के लिए अवैध हथियारों और गोला बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहराया है। पिछले 10 दिन में, व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, 60 वर्षीय एक महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई लोगों की हत्याओं ने चुनाव से पहले बिहार को दहला दिया है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 हत्याओं के साथ 1,376 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,786 और 2023 में 2,863 थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध लाइसेंस के खरीदे गए आग्नेयास्त्रों के प्रसार और कारतूसों व गोला–बारूद की अनियंत्रित उपलब्धता ने हाल में हिंसक अपराधों में तेजी ला दी है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, बिहार लगातार हिंसक अपराधों, जिनमें आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराध भी शामिल हैं, के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य 2017, 2018, 2020 और 2022 में हिंसक अपराध दर में दूसरे स्थान पर रहा है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा, ज्यादातर हत्याओं के पीछे जमीन विवाद और संपत्ति के मामले मुख्य कारण हैं। ऐसे मामलों में पुलिस की भूमिका सीमित होती है और यह अपराध होने के बाद शुरू होती है। अपराध का पता लगाने में हमारे बल ने 100 प्रतिशत की दर हासिल कर ली है।

समाज को ऐसे लोगों की जरूरत, जो सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर करें: गडकरी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की आवश्यकता पर बल दिया है। नागपुर में स्वर्गीय प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं।

न्यूज

बाराबंकी में सड़क हादसे में दो मरे

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के रामनगर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह रोडवेज बस की चपेट में आने से ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि, एक गंभीर रूप से ग्यायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बाराबंकी-बहराइच हाईवे पर कटियारा गांव के पास बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सवारियां ऑटो के अंदर फंस गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह उनको बाहर निकाला। लेकिन, तब तक दो लोगों की मौत हो चुकी थी।

दो बाइकों की टक्कर में एक कावड़ियां की मौत,दो गंभीर

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के अल्हागंज क्षेत्र में रविवार देर रात दो बाइक सवारों की आमने सामने हुई भीषण टक्कर में एक कांवड़िए की मौत हो गई जबकि अन्य दो कांवड़िए गंभीर रूप से ग्यायल हो गए। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि जलालाबाद कस्बा निवासी अंकित ,सोहिल और विवेक एक बाइक पर सवार होगा घटियाघाट गंगाजल लेने जा रहे थे कि फर्रुखाबाद की तरफ से आ रही दूसरी बाइक से आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई।

जौनपुर में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने के प्रयास का आरोप लगाते हुये कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि दस जुलाई को बनारस में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, बनारस के जिला अध्यक्ष व शहर अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं के खिलाफ गलत तरीके से मुकदमा दर्ज कराकर योगी सरकार ने तानाशाही और निरंकुशता का परिचय दिया है। भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के खिलाफ विपक्ष द्वारा उठाई गयी आवाज को दबा कर भाजपा सरकार संविधान और लोकतंत्र की हत्या कर रही है।

जौनपुर में शिव मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पवित्र सावन मास के प्रथम सोमवार पर ऐतिहासिक शिव मंदिर त्रिलोचन महादेव समेत सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही, श्रद्धालुओं ने शिवालयों में गंगाजल, दूध, दही से जलाभिषेक कर बेलपत्र, चावल व पुष्प से भगवान शिव की पूजा की।

संजय शर्मा ने दिलीप सिन्हा मामले में एफआईआर, एसआईटी जांच, पत्रकार सुरक्षा और मुआवजे की मांग की

लखनऊ,(यूएनएस)। देश के प्रमुख कानूनी अधिकार कार्यकर्ता संजय शर्मा ने वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिन्हा की संदिग्ध मौत के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। संजय शर्मा ने राज्य के विभिन्न विभागों को कई आरटीआई आवेदन और शिकायतें भेजकर इस मामले को स्पष्ट रूप से हत्या का मामला बताया है और पत्रकारों के खिलाफ चल रहे ब्लैकमेलिंग गिरोहों की जांच की मांग की है। संजय शर्मा द्वारा उठाई गई मुख्य मांगें में दर्ज कर निष्पक्ष जांच हो,दिलीप सिन्हा की मौत के मामले में हत्या, साजिश और उकसावे सहित भारतीय,न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।दर्ज एफआईआर, जांच अधिकारी और जांच रिपोर्ट की प्रमाणित प्रतियां सार्वजनिक की जाएं।,सीसीटीवी फुटेज, बस रूट रिकॉर्ड, ड्राइवर ड्यूटी चार्ट और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर गहन जांच की जाए कि यह दुर्घटना पूर्वनियोजित थी या नहीं। दिलीप सिन्हा द्वारा की गई सभी लंबित शिकायतों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाए। एसआईटी को सभी नामजद व्यक्तियों और ब्लैकमेलिंग गिरोह के सरगनाओं की निष्पक्ष जांच और अभियोजन का अधिकार दिया जाए।

उन ब्लैकमेलरों और उनके नेताओं के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन्होंने दिलीप सिन्हा और अन्य पत्रकारों को झूठी शिकायतों और सोशल मीडिया अभियानों के जरिए बदनाम और प्रताड़ित किया। दोषियों के खिलाफ ठछै और प्ज एक्ट के तहत ब्लैकमेलिंग, आपराधिक धमकी, मानहानि और साजिश के आरोपों में मुकदमा चलाया जाए। दिवंगत दिलीप सिन्हा के परिजनों को उनकी पत्रकारिता सेवा और परिवार को हुई क्षति के मद्देनजर 5 करोड़ (पाँच करोड़ रुपये) का मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और सुरक्षा कवर प्रदान किया जाए। पत्रकारों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, विशेषकर उन पत्रकारों के लिए जो ध मकी, ब्लैकमेलिंग या लक्षित हिंसा के शिकार हैं। प्रेस स्वतंत्रता को कमजोर करने वाले व्यक्तियों और गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिन्हा की मौत उस समय हुई जब उनकी स्कूटी को लोहिया पथ, जियामऊ के पास एक तेज रफ्तार यूपीएसआरटी बस ने टक्कर मार दी। बस चालक मौके से फरार हो गया। दिलीप सिन्हा के पास सिर्फ एक कलम और प्रेस कार्ड मिला, जो उनकी पत्रकारिता के प्रति समर्पण का प्रतीक था। वे हाल ही में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। इस घटना से पत्रकारिता जगत में शोक और आक्रोश की लहर है। दिलीप सिन्हा ने पहले भी ब्लैकमेलिंग गिरोहों के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि इन गिरोहों ने सैकड़ों वरिष्ठ और महिला पत्रकारों की प्रेस मान्यता समाप्त कराने और उन्हें सोशल मीडिया पर बदनाम करने का षड्यंत्र रचा। संजय शर्मा की शिकायतों में कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। क्या बस निर्धारित रूट पर थी और उसका ड्राइवर कौन था? सीसीटीवी फुटेज में क्या सामने आया? हाई सिक्योरिटी जोन में बस चालक कैसे फरार हुआ? ब्लैकमेलिंग और उत्पीड़न की पूर्व शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई?

संजय शर्मा ने संबंधित विभागों को आरटीआई आवेदन भेजकर एफआईआर, जांच रिपोर्ट और कार्रवाई की जानकारी मांगी है। पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को शिकायतें भेजकर एफआईआर दर्ज कराने, एसआईटी गठन और मुआवजा देने की मांग की है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को लंबित मामलों की एसआईटी जांच के लिए आवेदन दिया है। संजय शर्मा की पहल यह दर्शाती है कि पत्रकारों की सुरक्षा, पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है। एसआईटी गठन, ब्लैकमेलरों पर सख्त कार्रवाई और दिवंगत पत्रकार के परिवार को मुआवजा देने की मांगें न केवल न्याय की पुकार हैं, बल्कि प्रेस स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भी जरूरी हैं। यह मामला प्रदेश में पत्रकारिता की सुरक्षा और स्वतंत्रता के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया है, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हैं।

10 827 स्कूलों का विलय,खाली भवन में चलेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

लखनऊ,(यूएनएस)। यूपी में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय विद्यालयों का बेसिक शिक्षा विभाग ने विलय यानि पेयरिंग किया है। अब इन विद्यालयों के खाली भवनों में आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट होंगे। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सर्वे कराएगा। विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र भेजा है।उन्होंने कहा, वर्तमान में विद्यालय परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र को बाल वाटिका घोषित किया गया है। पेयरिंग के बाद खाली विद्यालय भवनों का प्रयोग बाल वाटिका के रूप में किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार खाली हुए विद्यालय भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट करने के लिए जिला स्तर पर सर्वे होगा। सीडीओ की अध्यक्षता वाली कमेटी बनेगी। इसमें बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, बाल विकास परियोजना अधिकारी भी शामिल होंगे। इनको 15 दिन में सर्वे पूरा करने का निर्देश दिया गया है।प्रमुख सचिव के मुताबिक सर्वे के बाद प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व अभिभावकों की बैठक होगी। शिफ्टिंग के योग्य विद्यालय भवनों का चिह्नांकन होगा। उपयुक्त विद्यालयों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट किया जाएगा। कई जिलों में आंगनबाड़ी केंद्र पंचायत भवनों या अन्य बिल्डिंग में चल रहे हैं। इन्हें पास के विद्यालय में शिफ्ट किया जाएगा।

कोई बच्चा स्कूल से वंचित न रहेः योगी

लखनऊ,(यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत–प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अध ोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में "स्कूल चलो अभियान" को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे।मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री हेतु 1200 रूपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। जिन विद्यालयों में आध ारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो।मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता बताई। यह प्रणाली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तीनों के हित में है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव के भाई प्रतीक से मांगी चार करोड़ की रंगदारी, पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी दी

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव से रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने रियल एस्टेट कारोबारी, उसकी पत्नी व पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव ने चिनहट के पूर्वांचल सिटी निवासी रियल एस्टेट कारोबारी कृष्णानंद पांडेय, उनकी पत्नी वंदना पांडेय और पिता अशोक पांडेय के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में रंगदारी मांगने, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपियों ने प्रतीक से कारोबार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। रुपये वापस मांगने पर पॉस्को एक्ट में फंसाने और फेक ऑडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं आरोपियों ने उनसे चार करोड़ की रंगदारी भी मांगी। सपा संस्थापक मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी

साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव मौजूदा समय में विक्रमादित्य मार्ग पर रहते हैं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध यक्ष हैं। पुलिस से की गई शिकायत में प्रतीक ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2011–12 में उनकी मुलाकात कृष्णानंद पांडेय से हुई थी। वह कई बार बिजनेस का प्रस्ताव लेकर आए। करीब दो–तीन साल लगातार मेलजोल बढ़ाने पर कृष्णानंद पांडेय की बातों में आ गया।आरोपी ने खुद को रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ा बताया। इसके बाद एक कंपनी 25 मई 2015 को बनाई। इसमें कृष्णानंद पांडेय और यूएस विस्ट को निदेशक और प्रतीक यादव को प्रमोटर बनाया गया।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

महान स्वतंत्रता सेनानी मुंशी गजाधर सिंह की प्रतिमा लगाने व स्वतंत्रता सेनानी सभागार में चित्र लगाने की मांग

पूर्व सदस्य जिला पंचायत सुनीता कुमारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पूर्व सदस्य जिला पंचायत सुनीता कुमारी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर हाथरस जनपद के महान स्वतंत्रता सेनानी मुंशी गजाधर सिंह की प्रतिमा सासनी कोतवाली के मुख्य चौराहे या केलोरा चौराहे पर स्थापित कराने और कलेक्ट्रेट परिसर के स्वतंत्रता सेनानी सभागार कक्ष में उनका छायाचित्र लगवाने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि हाथरस जनपद के मुरसान के राजा महेन्द्र प्रताप जी के बाद मुंशी गजाधर सिंह का नाम जनपद के दूसरे सबसे बड़े स्वतन्त्रता सेनानी के रूप में आता है। मुंशी गजाधर सिंह का जन्म हाथरस जनपद की सिकंदराराऊ तहसील के ग्राम खुशहालगढ़ के एक किसान परिवार में हुआ था । उन्होने मुंशी गजाधर सिंह से सम्बन्धित कुछ ऐतिहासिक तथ्यों का भी जिक्र पत्र में किया है उन्होने कहा है कि स्वतंत्रता आन्दोलन में मुंशी जी ने जिले में सबसे अधिक 06 वर्ष तीन माह का कारावास विभिन्न वर्षों और आंदोलनों में हुआ। इसी कारण नागरिक परिषद ,अलीगढ़ के तत्वाधान में भारत सरकार के तत्कालीन जहाजरानी मंत्री श्री राज बहादुर जी ने उनका नागरिक अभिनन्दन दिनांक 22–08–1973 को धर्म समाज कॉलेज अलीगढ़ में किया । इसी क्रम में अग्रवाल सेवा सदन हाथरस में

आयोजित कीर्तितीर्थ कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी को नमन करने के लिए दिनांक 07.07.2023 के उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री माननीय असीम अरुण व श्री चंपत राय जी ने मुंशी गजाधर सिंह के स्वतंत्रता आंदोलन में अविस्मरणीय योगदान के लिए इनके परिजनों को सम्मानित किया गया । मुंशी जी ने राष्ट्रीय असहयोग आन्दोलन में 1920–21 में भाग लिया और उन्हें हाथरस जनपद के ग्राम – शेखूपुर अजीत के विद्यालय से अध्यापक की नौकरी छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम मे कूद पड़े और तभी से सभी आन्दोलनों में हिस्सा लिया और घर बार छोड़कर पूरे समय ही देश सेवा में लग गये। सन् 1937 में होने वाली ऐतिहासिक हरदुआगंज कान्फ्रेन्स का सेनापति बनाया गया जिसमें देश के सभी बड़े नेताओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय आन्दोलन की सक्रिय भागीदारी के कारण घर–गृहस्थी से बिल्कुल ही अलग पड़ गये। आन्दोलन के सिलसिले में जब वह सीतापुर जेल में थे, उनकी पत्नी एवं दो पुत्रियों का देहान्त हो गया। इसके अलावा मुंशी जी अपने परिवारजनों की मृत्यु अथवा जन्म पर जेल में ही रहे। मुंशी जी ने देश और समाज की सेवा में अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया था। देश की स्वतंत्रता के साथ ही शिक्षा के प्रसार और उसके उन्नयन की ओर सदा उनका ध्यान रहता था। नारी शिक्षा को वह बहुत ही महत्व देते थे। इसी कारण उन्होंने आजादी के बाद सन 1964 में ग्राम कौमरी में एक विद्यालय खोला जो आज मुंशी गजाधर सिंह जनता इंटर कॉलेज ग्राम – कौमरी जनपद–हाथरस के नाम से चल रहा है । मुंशी गजाधर सिंह के देहावसान के बाद हाथरस नगर पालिका ने उनकी राष्ट्रभक्ति का सम्मान करते हुए अलीगढ़–आगरा मार्ग पर एक सड़क का निर्माण उन्हीं के नाम पर करा दिया ।

पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित हाथरस के एतिहासिक किले के मंदिर के द्वार पर संरक्षक के रूप में

मुंशी गजाधर सिंह का शिलालेख अंकित है।

पत्र में उन्होने मुंशी रप की जेल यात्राओं का भी विवरण दिया है। उन्हो कहा है कि सन् 1929– अलीगढ़ कारागार 06 माह की सजा 50 रुपये जुर्माना। जुर्माना अदा न करने पर 06 सप्ताह की अतिरिक्त सजा ।सन् 1930– अलीगढ़ कारावास जेल नं० 3516 धारा 6 में 6 माह की सजा 50 रुपये जुर्माना दिनांक 27–11–1930 को किया गया ।सन् 1932 दिनांक 21–06–1932 को धारा 17 (2) 6–6 ए में एक साल कठोर कारावास व 50 रुपये जुर्माना अदा न करने पर 06 माह की सजा धारा 17 (1) में कैदी नं० 2378 था ।सन् 1940– जेल नं० 1810 धारा 108 सी०आर०पी०सी० सजा 01 वर्ष दिनांक 27–05–1940 को सुनाई गई ।सन् 1942– दिनांक 27–07–1942 को ही 34ध38 डी० आई० आर० में 06 माह का कठोर कारावास फिर 26 डी० आई० आर० में अनिश्चितता में परिवर्तित की गई दो वर्ष बाद रिहा किया। मार्च 1945 में रिहा हुये। इसके अलावा भी वह जेल में गये जिनके प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

अतः देश के ऐसे महान सपूत के त्याग , तपस्या और बलिदान की याद को चिरस्थाई बनाने के लिये जनता की मांग पर उनकी प्रतिमा केलोरा के चौराहे या सासनी कोतवाली के चौराहे पर लगवाने की कृपा करें ताकि बहुत समय से चली आ रही जनता की मांग की पूर्ति हो सकेगी और देश की आजादी का सच्चा अमृत महोत्सव मनाया जा सकेगा । इसके साथ कलेक्ट्रेट परिसर में बने हुए स्वतंत्रता सेनानी सभागार में मुंशी गजाधर सिंह का छायाचित्र लगवाने की कृपा करें यह छायाचित्र हम आपको उपलब्ध करा देंगे ।

श्री रेवती मैया के प्राचीन मेला में मूलभूत सुविधाओं हेतु पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी को सौंपा ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। 27 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक श्री दाऊजी महाराज मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले प्राचीन मेला श्री रेवती मैया के सफल आयोजन और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री रेवती मैया मेला समिति द्वारा आज पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर एडवोकेट अतुल आंधीवाल (पूर्व अध्यक्ष, जिला बार एसोसिएशन) एवं बॉके बिहारी (अपना वाले) भी उपस्थित रहे। मेले की व्यवस्थाओं, साफ–सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी की ओर से आश्वस्त किया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा और मेला क्षेत्र को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। यह प्राचीन मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत करता है।

20 कम्पनियों द्वारा 1000 रिक्त पदों पर पर किया जायेगा चयन

(भव्य प्रभात)

हाथरस । जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हाथरस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार मेला दिनांक 15.07.2025 को एम0जी0 पॉलिटेक्निक आगरा रोड, हाथरस में प्रातः 10:00 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में 20 कम्पनियों द्वारा लगभग 1000 रिक्त पदों पर अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षाध्साक्षात्कार के माध्यम से किया जायेगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक आई0टी0आई0, डिप्लोमा इत्यादि उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष हो प्रतिभाग कर सकते है। इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल रोजगारसंगम.यूपी.जीओवी.इन (तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद) पर अपना ऑनलाईन पंजीयन कराकर दिनांक 15.07.2025 को एम0जी0 पॉलिटेक्निक आगरा रोड, हाथरस में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है अभ्यर्थी साक्षात्कार हेतु अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि, दो फोटो एवं बायोडाटा लेकर अवश्य आयें।

जय भोले बाबा उद्घोष के साथ कांबडियों ने किया शिवजी का जलाभिषेक

(भव्य प्रभात)

हाथरस। श्रावण मास शुरू होते ही कांबड़ यात्रा शुरू हो गईं जिसे लेकर कांवड़ लाने वाले भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आज सोमवार को कांबड़िया कांबड़ कंधे पर रख पदयात्रा कर उसमें विभिन्न जगहों पर कल–कल की मधुर आवाज के साथ बह रही गंगाजी से जल लेकर अपने–अपने गांव और शहर पहुंचे जहां श्री गंगाजल से भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विश्व कल्याण के साथ अपने अपने अपने परिवारों के लिए भी प्रार्थना की। सोमवार को कस्बा सासनी के वीलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भक्तों का भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए सैलाव उमड पडा। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी शिवालयों को दुल्हन की तरह सजाया गया।

लेखपालों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। ससनी तहसील में हापुड़ में जिला अधिकारी के दमनात्मक व्यवहार एवं उत्पीड़नात्मक कारवाई से तनावग्रस्त लेखपाल की हृदयविदारक मृत्यु की घटना को लेकर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा सासनी के लेखपालों ने प्रभावी कार्रवाई करने हेतु मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम नीरज शर्मा को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को लेखपालों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि हापुड़ में जिला अधिकारी का अधीनस्थ के प्रति अपमानजनक एवं दमनात्मक व्यवहार एवं बिना जांच के ही झूठी शिकायत पर उत्पीड़नात्मक कारवाई के तनाव में लेखपाल सुभाष मीणा की मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से प्रदेश के समस्त लेखपाल आहत हैं। लेखपालों ने ज्ञपन में कहा है कि आजकल कुछ अधिकारियों में सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं आम जनता के मध्य पब्लिसिटी पाने की इच्छा के कारण बैठक तहसील दिवस, थाना समाधान दिवस, ग्राम चौपाल, के दौरान अधीनस्थ को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने एवं दंडित करने की प्रवृत्ति बढ रही है। जिससे कर्मचारी तनावग्रस्त होकर नौकरी कर रहे हैं। नौकरी में बढ़ते कार्य के दबाव के साथ ही अधिकारियों के व्यवहार के कारण जहां कर्मचारियों का स्वास्थ एवं पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है। वहीं शासकीय कार्य सम्पादन में भी श्रम के सापेक्ष आउट पुट अच्छा प्राप्त नहीं होता है। मुख्य सचिव महोदय के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। जिनके अनुसार कर्मचारी समस्याओं के सम्बंध में संगठन पदाधिकारियों के साथ प्रति माह बैठक किए जाने का प्रावधान है। संवादीहनता एवं संवेदनहीनता के कारण ऐसी घटनाएं घटित होती है। ज्ञापन में कहा है कि हालांकि हापुड़ की घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं जिससे कर्मचारियों में न्याय की आशा बढ़ी है। लेखपालों ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मृतक आश्रित को योग्यता अनुसार सरकारी सेवा में नियुक्ति तत्काल की जाएं। जांच रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त कर दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। समस्त अधिकारियों को अधीनस्थ के साथ मानवीय एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश निर्गत किए जाएं। वहीं मुख्य सचिव द्वारा निर्गत शासनादेशो, जिनमें समस्त प्रांतीय, मण्डलीय, जनपदीय, तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रति माह कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कर्मचारी समस्याओं को सुनने एवं समाधान करने के निर्देश निर्गत किए गये है। उनका अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश निर्गत करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में विवेक वार्ष्णेय, अरविंद सैंगर, सचिन पुंढीर, बलबीर सिंह, ऋचा वार्ष्णेय, गौरव चौधरी, मोहसिन खान, धर्मवीर सिंह, जनरल सिंह मौजूद थे।

भाजपा नेता अनूप पांडे के द्वारा मेंढकी माता मंदिर एवं भैरव नाथ मंदिर मे किया गया बृहद वृक्षारोपण

लालगंज रायबरेली।बेहटा कलां ग्रामपंचायत स्थित मेढुकी माता मंदिर में पंचवटी विकास समिति द्वारा रोपित पीपल, पाकर,गूलर,बरगद, फाइकस,नीम, अमरूद इमली, बेल ,आमला, कैथा, इमली आदि के पौधों के 5 वर्ष बाद उसी परिसर में विधि विधान के साथ नवग्रह वाटिका लगाई गई तथा आम का पौधा भी लगाया गया । वही इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए बराती लाल गंगा राम सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंधक एवं भाजपानेता अनूप पाण्डेय ने पर्यावरण संरक्षण में जनहित कारी वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये सर्वाधिक ऑक्सिजन प्रदान कर वायुमंडल को शुद्ध बनातेहै।विषैली गैसों का अवशोषण करके मेघों को अधिकाधिक आकर्षित कर जल वृष्टि कराते है।इनके द्वारा जीव– जंतुओं को पोषण तथा आवास भी मिलता है। क्षेत्र पंचायत सदस्य अनंत विजय सिंह ने वन विनाश पर चिंता व्यक्त कर अधिकाधिक वनावरण को प्रोत्साहित करने के लिए नवयुवकों का आह्वान किया।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के धर्म प्रचार संगठन के प्रदेश प्रमुख सुरेन्द्र कुमार ने समाज को संगठित होकर राष्ट्रीय हित के हरित रचनात्मक कार्यो में शामिल होने तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों से सावधान रहने की

आवश्यकता पर बल दिया ।पंचवटी के सचिव डॉ महादेव सिंह ने संजय सिंह (बबलू) के द्वारा पौधों के उत्कृष्ट रख रखाव की सराहना किया।सभी ग्राम वासियों व अभ्यागतों द्वारा संजय सिंह का भव्य सम्मान किया गया।कोलकाता के युवा भाजपा नेता गुड्डन सिंह,हनुमंत सिंह, रघुराज सिंह पूर्व प्रधान झबरा,शैलेन्द्र प्रताप सिंह– प्रधानाचार्य, अनंत विजय सिंह, रोहिताश्व प्रताप सिंह, आदि ने भी विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजक रोहतास प्रताप सिंह राहुल अध्यक्ष साहित्य एवं सामाजिक समिति द्वारा आए हुए आगंतुको का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बंश बहादुर सिंह, रामेंद्र सिंह,राधा कृष्ण तिवारी वयोवृद्ध लोकतंत्र सेनानी,शिव प्रकाश दीक्षित,अमर पाल सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह, रविशंकर, शशिकांत शुक्ल, उदय भान सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, प्रवीण सिंह, संजय सिंह, उत्तम कुमार सिंह, रामअवतार मिस्त्री, दिलीप कुमार सिंह, रमेश प्रजापति, सुन्दर सिंह, बजरंग सिंह, नितिन सिंह, शिव किशोर चौरसिया आदि सैकड़ों की संख्या में पर्यावरण प्रहरी उपस्थित रहे।कार्य क्रम के बाद सभी लोग निकट ग्राम पूरे नोखे राय स्थित भैरव नाथ बाबा के अति प्राचीन मंदिर गये और वहाँ नीम, बरगद, पीपल, पाकर, गूलर आदि के पौधों का रोपण किया।

कांग्रेस नेताओं पर दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग

बांदा,(यूएनएस)। शहर कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष अफसाना शाह ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अन्य नेताओं पर दर्ज एफआईआर को वापस लेने की मांग की गई है। मामला 10 जुलाई का है। जब वाराणसी में कांग्रेस नेताओं ने जन समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, वाराणसी शहर अध्यक्ष समेत लगभग 10 कांग्रेस नेताओं पर एफआईआर दर्ज कर दी। जिलाध्यक्ष अफसाना शाह ने उत्तर प्रदेश सरकार पर जनता की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस इन मुद्दों को उठाती है, तो पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता है। उनके अनुसार यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध है। ज्ञापन में राज्यपाल से कांग्रेस नेताओं को पुलिस के दमन से बचाने और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेने का आदेश देने का अनुरोध किया गया है।

सावन का पहला सोमवार,शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़

बांदा,(यूएनएस)। सावन का आज पहला सोमवार है, ऐसे में सुबहसे ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है।शिव भक्त महादेव को जल व दूध अभिषेक कर फूलों से श्रृंगार कर रहे है।इसके साथ ही शिवालयों में विधिवत पूजा की जा रही है।भक्त बेलपत्र,चंदन,गंगाजल, गाय का कच्चा दूध, भांग, धतूरा आदि का चढ़ावा चढ़ा रहे है। बता दे कि पहली सोमवारी होने के कारण शिव भक्तों में उत्साह देखने को मिल रहा है।सभी अपने आराध्य के पूजन अर्चन के लिए शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी है। सावन का आज पहला सोमवार है। इसको लेकर शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ लगी हुई है लोग अपनी अपनी मनोकामनाओं को लेकर भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चन और जलाभिषेक कर रहे हैं लोग भांग ,धतूरा, बेलपत्र शहद, दूध आदि भगवान भोलेनाथ को अर्पित कर रहे हैं बांदा शहर के बॉम्बेश्वर पर्वत पर प्राचीन शिव मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ लगी हुई है भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन कर रहे है। इसके अलावा बांदा के पलानी क्षेत्र के महाकालेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ जमा है इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां पर भगवान शिव का जलाभिषेक नहीं किया जाता है बल्कि दुग्ध अभिषेक किया जाता है। भक्त भगवान को दूध से नहला रहे है,उनका अभिषेक के,रहे है

डीएम ने अधिकारी/कार्मिक को पंचायत चुनाव की तैयारियों के लिए दिये उचित दिशा-निर्देश

रायबरेली। मा० राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र०, लखनऊ की अधिसूचना के क्रम में जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने निर्देश दिये है कि जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का समय सारिणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण किया जायेगा। निर्धारित तिथि के अनुसार 18 जुलाई से 13 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही बी0एल0ओं0 एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन, उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक–पृथक तथा समानान्तर चलेगी। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने निर्देश दिये है कि जनपद स्तर पर बी0एल0ओं0 द्वारा घर–घर जाकर गणना और सर्वेक्षण करने की अवधि 14 अगस्त से 29 सितम्बर 2025 तक तिथि निर्धारित है तथा ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 14 अगस्त से 22 सितम्बर 2025 तक एवं ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर–घर जाकर जांच की अवधि 23 सितम्बर से 29 सितम्बर 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितम्बर से 06 अक्टूबर तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना 07 अक्टूबर से 24 नवम्बर 2025 तक, निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमांकन।

एनएसपीएस त्रिपुला में श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर हुई भगवान शिव की भव्य आराधना

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर भगवान शिव की आराधना की गयी। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा–अर्चना कर जलाभिषेक किया और जनकल्याण की कामना की। छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शिव–तांडव और भगवान शिव की विभिन्न स्तुतियों की मनमोहक प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया तो वहीं कांवड़ियों के प्रतिरूप में शिव परिक्रमा कर रहे छात्रों के द्व नमः शिवाय और बोल बम के जयकारों से विद्यालय परिसर गुंजायमान रहा। श्री प्रजापति ने सभी को भगवान शिव की उपासना को समर्पित श्रावण मास के प्रथम सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिव से ही संसार है और इनकी कृपा से ही प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छा अनुसार फल प्राप्त होता है, भगवान भोलेनाथ की एकाग्रता,तप साधना और दृढ़ता से प्रेरणा लेते हुए जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर सफलता प्राप्त की जा सकती है, विशेषकर विद्यार्थियों को शिव आराधना के साथ अपने मन को एकाग्र कर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की ओर कृतसंकल्पित होना चाहिए। इस अवसर पर उप–प्रधानाचार्य फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, पिंकी जायसवाल, सुभी सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, रामदेव, गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकधशिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़ी भक्तों की भारी भीड़, पुलिस प्रशासन रहा सतर्क

लालगंजरायबरेली। सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव के भक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर उनकी पूजा–अर्चना की। लालगंज के विभिन्न हिस्सों में स्थित प्रमुख शिव मंदिरों बाबा बाल्हेश्वर ऐहार ,बाबा सोहलेश्वर, बाबा गहरेस्वर, बाबा सत्नेश्वर, बाबा मुंड मालेश्वर , बाबा शंकरेश्वर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। समस्त शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब देखा गया। बाबाके भक्तों की श्रद्धा देखते बनतीथी।भक्तों ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक और अभिषेक किया।श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बिल्व पत्र और धतूरा चढ़ाया। कई मंदिरों में भक्तों ने द्व नमः शिवाय मंत्र का जाप किया और भगवान शिव की स्तुति की। लालगंज प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह और उनकी पुलिस टीम के द्वारा मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जगह–जगह बैरिकेटिंग लगाकर प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की थी।

बाल्हेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित झिलमिल जी महाराज ने बताया कि सोमवार सुबह 3बजे भगवान शिव का जलाभिषेक कर आरती पूजन कर भक्तों के लिए पट खोल दिए गए थे।मंदिरों में विशेष आरती और पूजा का आयोजन किया गया था। सेवादार के रूप में पंडित संजू महाराज ,टेनी महाराज, कीर्ति मनोहर शुक्ला, अनुज अवस्थी, प्रदीप तिवारी, राज किशोर सिंहबघेल, चंदन त्रिवेदी विकास तिवारी, अवनीश पांडे,मृदुलेश तिवारी, आयुष पांडे कपिल देव तिवारी, शिवम बाजपेई आदि ने बताया कि भक्तों ने बड़े ही श्रद्धा भाव से पूजा पाठ किया है। किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुईहै।

सोनाली बेंद्रे ने पुनर्आविष्कार, लचीलापन और अपनी कहानी को पुन: प्राप्त करने पर बात की

90 के दशक की आइकन से लेकर कैंसर योद्धा तक, सोनाली बेंद्रे ने प्यार, विरासत और नए उद्देश्य की खोज पर खुलकर बात की, यहां पढ़ें। वह 90 के दशक की सर्वोत्कृष्ट प्रिय, सुंदर, आकर्षक और अविस्मरणीय हैं । 30 वर्षों से अधिक के करियर में सोनाली बेंद्रे ने एक ऐसा स्थान बनाया है, जिस पर इतने शांत सम्मान और स्थायी आकर्षण के साथ कुछ ही लोग कब्जा कर पाते हैं। हिंदी सिनेमा के स्वर्ण युग से लेकर भारतीय फिल्मों की बहुभाषी दुनिया तक, उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मराठी उद्योगों में काम किया है , और व्यावसायिक सफलता के साथ आलोचनात्मक प्रशंसा को संतुलित किया है। सोनाली ने मणिरत्नम जैसे लेखकों से लेकर मसाला के उस्तादों तक, कई निर्देशकों के साथ काम किया है और आमिर खान , सलमान खान , शाहरुख खान और अजय देवगन जैसे प्रमुख पुरुषों के साथ अभिनय किया है। चाहे उत्साही प्रेमिका की भूमिका निभाना हो या भावनात्मक एंकर की, उन्होंने ऐसी ईमानदारी दिखाई जो स्क्रीन के समय से परे थी । अपने चरम पर एक कदम पीछे हटने के बाद भी, वह कभी गायब नहीं हुई। डिजिटल आज, वह सिर्फ आकर्षक ही नहीं हैं, बल्कि उनमें वह शक्ति और उत्साह है जो एक सच्चे आइकन का दर्जा परिभाषित करता है। आपने ब्रेक लिया, बच्चा हुआ, फिर आप वापस आईं और टेलीविजन पर काम किया... क्या आपको माध्यमों में किसी तरह का अंतर महसूस हुआ? हां, एक अंतर है। लेकिन कैमरे के सामने होना अभी भी बस यही है, कैमरे के सामने होना। एक साझा ऊर्जा है। अजीब है कि आपने टेलीविजन का उल्लेख किया। मैंने इसे अपने बच्चे से पहले किया था, सरफरोश और हम साथ साथ हैं के बाद , क्या मस्ती क्या धूम, बच्चों के प्रतिभा शो की मेजबानी की, जब टीवी को सम्मानजनक नहीं माना जाता था। लोगों को आश्चर्य हुआ, ष्क्या उसने अपना दिमाग खो दिया है?ष तब केवल मिस्टर बच्चन केबीसी के साथ टीवी पर थे। शीर्ष अभिनेताओं के साथ काम करने और हिट होने के बावजूद, चीजें वास्तव में आगे नहीं बढ़ रही थीं। इसका कुछ हिस्सा मेरी पसंद के कारण था। मैं तब गोल्डी को डेट कर रही थी और उसने कहा कि टीवी विस्फोट करेगा। मैंने उस पर विश्वास किया। फिल्मों में सालों लग जाते थे, भुगतान धीमा था, और विज्ञापन दुर्लभ थे। मैंने कभी रिटायर होने की योजना नहीं बनाई, लेकिन मैं स्थिरता चाहता था क्या मस्ती क्या धूम के बाद , मैंने शादी कर ली और तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया, जिसे अब अखिल भारतीय सिनेमा कहा जाता है, जबकि मैंने हिंदी फिल्मों में काम करना जारी रखा। मैंने वास्तव में केवल गर्भावस्था के दौरान ही विराम लिया। रणवीर की उम्मीद के दौरान, मैंने थिएटर किया, आपकी सोनिया, तुम्हारी अमृता का सीक्वल, फारुक शेख के साथ, जिन्हें मैं बहुत याद करती हूं। शबाना जी ने जो भूमिका निभाई थी, उसे निभाना एक जोखिम था, लेकिन मैंने सोचा, वे पहले से ही कहते हैं कि मैं अभिनय नहीं कर सकती, तो क्यों नहीं? थिएटर ने मेरे अभिनय में सुधार किया और मैंने आठ–साढ़े आठ महीने की गर्भवती होने तक अभिनय किया। आखिरकार, मुझे एहसास हुआ कि मैं बारीकियों के साथ संवाद दोहराने से ज्यादा विविधता चाहती हूं। थिएटर सुंदर है, लेकिन मैं बदलाव चाहती थी। मेरा एकमात्र असली ब्रेक तब तक था जब तक रणवीर दो साल का नहीं हो गया। जब आप किसी तीव्र अनुभव से गुजरते हैं, तो आप कैसे तनावमुक्त होते हैं? ब्रोकन न्यूज से पहले , मैंने एकता कपूर की छह महीने की शानदार सीमित सीरीज , अजीब दास्ताँ है ये में काम किया था । यह ओटीटी प्लेटफॉर्म और मेरे कैंसर के निदान से बहुत पहले प्रसारित हुआ था। भूमिका भावनात्मक रूप से इतनी गहन थी कि मैं सेट से हल्का महसूस करते हुए बाहर निकला। यह एक तरह से भावनात्मक रूप से बहुत बढ़िया था। मैंने महसूस किया है कि स्क्रीन पर ऐसी गहरी भावनाओं को जीना एक मुक्ति है। मैं वास्तविक जीवन में किसी और की उथल–पुथल को बिना किसी वास्तविक विवाद के दर्शा सकता हूँ। अगर मैं परेशान हूँ, जैसे कि अपनी माँ के साथ बहस के बाद, मैं उस ऊर्जा को एक दृश्य में डाल देता हूँ और शांत होकर घर लौटता हूँ। मेरे लिए, गहन दृश्य लगभग उपचारात्मक हैं। जिन लोगों के साथ आपने पहले कभी काम नहीं किया, उनके साथ काम करके आपने अपने बारे में क्या सीखा? एक व्यक्ति के तौर पर इससे आपमें क्या बदलाव आया? मैं द ब्रोकन न्यूज को लेकर काफी नर्वस था । सब कुछ अपरिचित सा लग रहा था। कैमरे की खामोशी भी मुझे बेचौन कर रही थीय मैं क्लिक, लाइट एडजस्टमेंट और शोरगुल वाले सेट की हलचल का आदी हो चुका था। मुझे अपनी लय फिर से तलाशनी पड़ी। लेकिन एक बार जब मैंने ऐसा किया।

एक्टर और डांसर राघव जुयाल की एक्शन फिल्म किल को रिलीज हुए एक साल पूरा हो चुका है. इस फिल्म में एक्टर को खलनायक की भूमिका में देखा गया था और उनकी एक्टिंग को बहुत सराहना भी हुई थी. इसके बाद राघव जुयाल ने बताया था कि इस फिल्म ने उन्हें अभिनय से प्यार करने का मौका दिया था. राघव जुयाल की फिल्म ने एक साल पूरे कर लिए हैं और उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर बिहाइंड द सीन का वीडियो शेयर किया है. वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शकिल को एक साल पूरे हुए.श श्इस किरदार ने मुझे डराया लेकिन अभिनय से प्यार करने का मौका दियाश किल में राघव का किरदार उनके बाकी प्रोजेक्ट्स से बिल्कुल अलग था. उन्होंने इस फिल्म में शांत, डरावना और रहस्य से भरे एक किरदार की एक्टिंग की और उनका ये कैरेक्टर दर्शकों के लिए भी एक नया अनुभव था. इस फिल्म ने न केवल दर्शकों का ध्यान खींचा बल्कि फिल्म निर्माताओं को भी एक्टर की प्रतिभा पर गौर करने पर मजबूर किया. किल ने राघव को बतौर अभिनेता अपनी कंफर्ट जोन से बाहर जाकर काम करने का मौका दिया. राघव ने फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने जीवन के बेफिक्र अंदाज को भी याद किया।

सबकुछ किसी के कारण से होता है...

राधिका का इंस्टाग्राम अकाउंट आया सामने, बायो में ये लिखा

गुरुग्राम। टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव का इंस्टाग्राम अकाउंट सामने आया है। अकाउंट के बायो में राधिका यादव ने स्पेनिश भाषा में कहावत लिखी है। वहीं, मामले में गुरुग्राम के सेक्टर–56 थाने की पुलिस ने वजीराबाद के करीब 35 ग्रामीणों को बुलाकर मामले में पूछताछ की है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की मौत के तीन दिन बाद उनका इंस्टाग्राम अकाउंट सामने आया है। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 69 फॉलोअर्स हैं और उन्होंने 68 लोगों को फॉलो किया था। कुल छह पोस्ट की हुई हैं। हालांकि प्राइवेट अकाउंट होने के कारण इन्हें देखा नहीं जा सकता। अकाउंट के बायो में राधिका यादव ने स्पेनिश भाषा में कहावत लिखी है– श्श्टोडो पासा पोर एल्गोश्श यानी सबकुछ किसी कारण से होता है। यह सब राधिका की दोस्त हिमांशिका ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी करके जानकारी दी। बृहस्पतिवार को राधिका की गोली मारकर हत्या के बाद सामने आया था कि हत्यारोपी पिता के दबाव डालने के बाद टेनिस खिलाड़ी ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए थे। बाद में सामने आया था कि राधिका काफी कम ही सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती थी। यह भी पता चला था कि राधिका यादव अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को कई बार डिएक्टिवेट और रीएक्टिवेट कर चुकी थीं। ग्रामीणों से पुलिस ने की पूछताछ, ताने की पुष्टि नहीं गुरुग्राम के सेक्टर–56 थाने की पुलिस ने वजीराबाद के करीब 35 ग्रामीणों को बुलाकर मामले में पूछताछ की। किसी भी ग्रामीण ने दीपक यादव को ताने मारने बात की पुष्टि नहीं की,

जबकि दीपक यादव ने बेटी के नाम पर ग्रामीणों के ताने मारने की बात कही थी। रिमांड के दौरान भी पुलिस ने दीपक से बार–बार उन लोगों के नाम पूछे जिन्होंने ताने मारे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रिमांड में दीपक ने किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं बताया। ऐसे में दीपक ने बेटी के नाम पर लोगों के ताने मारने की बात कहकर पुलिस जांच को गुमराह करने का प्रयास किया गया हो। कुछ रिश्तेदार व जानकारों को भी थाने बुलाकर दीपक यादव से बातचीत कराई थी। उन्होंने भी कुछ नहीं बताया। पुलिस सूत्रों के अनुसार रिश्तेदारों व जानकारों को देखकर दीपक यादव भावुक हुआ था। भाई ने राधिका की दोस्त के वीडियो पर उठाए सवाल टेनिस खिलाड़ी की हत्या के मामले में भाई रोहित यादव ने राधिका की दोस्त हिमानशिका सिंह राजपूत के वीडियो पर सवाल उठाए हैं। वीडियो में हिमानशिका सिंह ने दावा किया है कि राधिका यादव के पिता दीपक यादव ने तीन दिन पहले से हत्या की योजना बनानी शुरू कर दी थी। भाई रोहित यादव ने कहा कि उनकी बहन राधिका पर कोई बंदिश नहीं थी। बंदिश होती है तो बच्चा घर से भी नहीं निकल पाता। रोहित ने दावों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीतकर रचा इतिहास, मिली इतनी प्राइज मनी

कोल पाल्मर के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट–जर्मेन पर 3–0 की बेहतरीन शुरुआत के साथ फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा है। खिताब जीतने वाली टीम को ट्रॉफी के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी 11 अरब भारतीय रुपये की इनामी राशि भी मिली, जो कि क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप से 6 गुना से भी ज्यादा है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। ये अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में पाल्मर ने शुरूआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा। बाद में 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3–0 कर दिया। जोआओ पेड्रो के इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया था। पीएसजी की टीम इस पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं दाग सकी। चेल्सी ने 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में टॉप स्कोरर रही। बता दें कि, चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चौंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है।

विंबलडन का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी पर होगी पैसों की बारिश, प्राइज मनी की राशि जानकर उड़ जाएंगे होश

विंबलडन 2025 अपने समाप्ति पर है, जहां महिला सिंगल का खिताब पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अपने नाम किया। वहीं अब पुरुष सिंगल में खिताब की भिड़ंत रविवार, 13 जुलाई को कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर के बीच होनी है। इसके साथ ही जो भी खिलाड़ी विंबलडन 2025 पुरुष सिंगल का खिताब अपने नाम करेगा उस पर पैसों की बरसात होगी। हालांकि, जो खिलाड़ी फाइनल में हारेगा वो भी खाली हाथ नहीं जाएगा। मेंस सिंगल्स के ऊपर सभी की नजरें हैं। इस बार कार्लोस अल्कराज और यानिक सिनर के बीच फाइनल खेला जाएगा। जोकोविच का सपना टूट गया, वह सेमीफाइनल मैच खेलकर बाहर हो गए उन्हें सेमीफाइनल में सिनर के हाथों हार झेलनी पड़ी। जिसके बाद अब कार्लोस और सिनर के बीच एक धांसू फाइनल होने की उम्मीद है। टेनिस की बात हो, तो इसकी इनामी राशि का जिक्र भी होता है। टेनिस प्लेयर्स को काफी पैसा मिलता है। भारत में जून में आईपीएल फाइनल जीतकर आरसीबी ने एक मोटी रकम इनाम के रूप में हासिल की थी। आरसीबी की टीम को 20 करोड़ रुपये प्राइज के रूप में मिले थे। वहीं विंबलडन जीतने वाले एक ही खिलाड़ी को आरसीबी की प्राइज मनी से काफी ज्यादा धन राशि मिलनी है। अब ये रकम कार्लोस और सिनर में से किसे मिलेगी ये तो वक्त बताएगा। विंबलडन 2025 की प्राइज मनी? दरअसल, इस बार विंबलडन जीतने वाले खिलाड़ी को 35 करोड़ रुपये की भारी धनराशि मिलने वाली है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक यही रकम महिला वर्ग में भी मिली है। ये तो सिंगल्स विनर को मिलने वाली प्राइज मनी है। हारने वाले खिलाड़ी को 17 करोड़ रुपये से कई ज्यादा की धन राशि मिलनी है।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

सेबी के बैन का बड़ा असर, 4843.5 करोड़ जमाकर मार्केट में लौटने की तैयारी

अमेरिकी क्वांट ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट ने एक एस्क्रो खाते में 4,843.58 करोड़ रुपये जमा करने के बाद, ट्रेडिंग प्रतिबंध हटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से संपर्क किया है। ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार हेरफेर मामले में अंतरिम आदेश के बाद, सेबी ने पुष्टि की है कि जेन स्ट्रीट ने नियामक के पक्ष में ग्रहणाधिकार के साथ निर्दिष्ट राशि एक एस्क्रो खाते में जमा कर दी है। फर्म ने नियामक आवश्यकताओं के अनुसार एस्क्रो खाता स्थापित करने के बाद, अंतरिम आदेश के तहत लगाए गए विशिष्ट सशर्त प्रतिबंधों को हटाने की मांग करते हुए सेबी को एक औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नियामक प्राप्ति ाकरण वर्तमान में अंतरिम आदेश में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप अपील की समीक्षा कर रहा है। सेबी ने उचित प्रक्रियाओं को बनाए रखने और प्रतिभूति बाजार की अखंडता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। जेन स्ट्रीट पर प्रतिबंध किस बारे में है? सेबी ने जेन स्ट्रीट पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने भारत के डेरिवेटिव बाजार में हेरफेर करने के लिए एक

सोची–समझी योजना बनाई। नियामक संस्था ने पाया कि कंपनी ने व्यवस्थित बाजार हेरफेर गतिविधियों के जरिए लगभग 36,500 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। रिपोर्ट में उद्धृत जांच के अनुसार, संगठन ने शुरुआती कारोबारी घंटों में निफ्टी बैंक घटक शेयरों और वायदा की आक्रामक खरीद की रणनीति लागू की, जिससे कृत्रिम मूल्य मुद्रास्फीति हुई। इसके बाद, वे दिन के अंत में केंद्रित विक्रय गतिविधियों के माध्यम से इन पोजीशनों को बेच देते थे, जिससे कीमतों में गिरावट आती थी। ये समकालिक लेनदेन महत्वपूर्ण अंतरालों पर सूचकांक को प्रभावित करने के लिए किए जाते थे ताकि उनके पर्याप्त विकल्प होल्डिंग्स को लाभ मिल सके। 45 देशों में करती है ट्रेडिंग ऑपरेट सेबी वर्तमान में इस अनुरोध पर अंतरिम आदेश के निर्देशों के तहत गौर कर हा है। नियामक ने कहा कि वह उचित प्रक्रिया का पालन करने और प्रतिभूति बाजार की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेन स्ट्रीट ग्रुप की स्थापना 2000 में की गई थी। यह एलएलसी वित्तीय सेवा उद्योग में एक वैश्विक स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनी है। यह अमेरिका, यूरोप और एशिया में पांच कार्यालयों में 2,600 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती है और 45 देशों में 'ट्रेडिंग' का संचालन करती है।

साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप हुए अलग, इंस्टाग्राम पर अलग होने की घोषणा की

भारत की मशहूर बैडमिंटन स्टार और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता साइना नेहवाल ने पति और पूर्व शटलर पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद रविवार की देर रात इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए शेयर की। साइना और परुपल्ली कश्यप की 6 साल की शादी टूटने से पूरा खेल जगत हैरान है। साइना ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि, कभी–कभी जिंदगी हमें अलग रास्तों पर ले जाती है। बहुत सोच विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला लिया है। हम एक–दूसरे के लिए शांति, विका और सेहतमंद जिंदगी का चुनाव कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि, मैं बीते पलों के लिए आभारी हूं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूं। कृपया इस समय हमारी निजता का सम्मान करें। साइना और कश्यप की मुलाकात हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद अकादमी में हुई थी, जहां दोनों ने बचपन से एक साथ ट्रेनिंग ली थी। 14 दिसंबर 2018 को दोनों ने शादी की थी। जहां साइना ने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया और वर्ल्ड नंबर 1 बनीं, कहीं कश्यप भी कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में गोल्ड मेडल जीतकर टॉप–10 में पहुंचे थे।

भव्य प्रभात

नकली नोट की चोट

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन–देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन–देन को हतोत्साहित किया जाए। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन–देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन–देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

राज्यसभा में उज्ज्वल निकम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम, केरल के समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टे, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन इन चार लोगों को नामित किया है। संविधान के अनुच्छेद 80 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति राज्यसभा में 12 ऐसे सदस्यों को नामित कर सकते हैं जो साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या अनुभव रखते हों। यह कदम संसद

को विविध क्षेत्रों की विशेषज्ञता से समृद्ध करता है। हालांकि विगत कई वर्षों से ये 12 नामांकन भी दलगत सोच से ही प्रभावित होने लगे हैं। अभी नामित 4 सदस्यों में सी. सदानंदन मास्टे और उज्ज्वल निकम तो घोषित तौर पर भाजपा के सदस्य रहे हैं। श्री सदानंदन केरल में भाजपा इकाई से जुड़े रहे हैं। केरल में भाजपा अपने पैर जमाने के लिए खूब हाथ–पैर मार रही है, लेकिन उसे लगातार नाकामी मिली है। अब प्रियंका गांधी के केरल पहुंचने के बाद भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों में चुनौतियों के बढ़ने का अंदाजा है। हाल ही में उपचुनावों में भी प्रियंका गांधी की मौजूदगी का असर भाजपा ने महसूस किया है। इसलिए अब राज्यसभा मनोनयन के जरिए भाजपा केरल में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहती है। वहीं उज्ज्वल निकम को 2024 लोकसभा चुनावों में भाजपा ने मुंबई नार्थ सेंट्रल से उम्मीदवार बनाया था, जिसमें वे कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से हार गए थे। तब श्री निकम संसद नहीं पहुंच पाए तो अब भाजपा ने उन्हें दूसरे रास्ते से संसद तक पहुंचाने का रास्ता बना लिया। इसका फायदा भाजपा को महाराष्ट्र और खासतौर पर मुंबई में अपनी पकड़ और मजबूत बनाने में मिलेगा। उज्ज्वल निकम ने इस मनोनयन के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि आधिकारिक सूचना आने से एक दिन पहले ही नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी थी और इस बातचीत में मराठी में ही पूछा था कि हिंदी में बात करूं या मराठी में। यह कोई सामान्य सवाल नहीं है, बल्कि इसके गहरे अर्थ महाराष्ट्र में खड़े हुए भाषा विवाद में देखे जा सकते हैं। प्राथमिक शिक्षा में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने का फैसला फड़नवीस सरकार ने लिया था, लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फैसले का भारी विरोध किया। भाजपा की कवायद ने दोनों ठाकरे बंधुओं को एक साथ कर दिया, नतीजा यह हुआ कि फड़नवीस सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा। इसे भाजपा की एक बड़ी हार के तौर पर देखा जा रहा है अब शायद नरेन्द्र मोदी हिंदी बोलूं या मराठी, यह सवाल खड़ा करके इस हार की खीझ मिटा रहे हैं। हालांकि इस तंज भरे सवाल के बावजूद यह तथ्य नहीं बदलेगा कि महाराष्ट्र में पहले सत्ता चुराने और फिर विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद ठाकरे गुट की शिवसेना के आगे भाजपा की घबराहट बरकरार है। अब अगली चुनौती बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन यानी बीएमसी चुनावों की है और यहां भी शिवसेना का ही दबदबा रहा है। बीएमसी का सालाना बजट 74 हजार करोड़ से ज्यादा का होता है और यह देश में सबसे बड़े बजट वाला नगरीय निकाय है। 2014 से देश की सत्ता पर काबिज भाजपा ने कई विधानसभा और नगरीय निकायों के चुनाव जीते हैं, लेकिन बीएमसी पर कब्जे का उसका सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। पिछले चुनाव 2017 में हुए थे, तब अविभाजित शिवसेना को ही जीत मिली थी। शिवसेना तब एनडीए का हिस्सा थी, लेकिन बीएमसी में उसने अकेले चुनाव लड़ा था। इस बार भी शिंदे गुट की शिवसेना भाजपा से अलग ही बीएमसी चुनाव लड़ सकती है, लेकिन उद्धव ठाकरे के साथ तब एकनाथ शिंदे थे तो अब राज ठाकरे हो सकते हैं। यानी उनकी ताकत अब भी बड़ी रहेगी। ऐसे में नरेन्द्र मोदी अब दूसरे उपायों को आजमाने में लगे हैं, जिससे मुंबई पर पकड़ बढ़े। उज्ज्वल निकम का मनोनयन ऐसा ही एक उपाय दिख रहा है। श्री निकम 1991 का कल्याण बम धमाका, 1993 का मुंबई सीरियल ब्लास्ट, 2003 का गेटवे ऑफ इंडिया बम धमाका, 26ध्11 मुंबई आतंकी हमला, प्रिया दत्त अपहरण कांड और नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड जैसे कई हाई–प्रोफाइल मामलों में अभियोजन का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में उज्ज्वल निकम तब आए, जब उन्होंने कहा था कि मुंबई हमलों के दोषी अजमल कसाब को जेल में बिरयानी खिलाई जा रही है। गौरतलब है कि इस हमले में शामिल सारे आतंकवादी मारे गए थे, लेकिन अजमल कसाब को मुंबई पुलिस में बतौर सहायक इंस्पेक्टर तैनात रहे तुकाराम ओंबले ने जिंदा पकड़ा, हालांकि इसमें खुद उनकी जान चली गई, क्योंकि कसाब अपनी एके 47 से अंधाधुंध गोलियां बरसा रहा था, जबकि श्री ओंबले के पास केवल एक लाठी थी, जिससे उन्होंने कसाब को रोके रखा, खुद गोलियां खाईं, लेकिन उसे पकड़ लिया। शहीद तुकाराम ओंबले को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। उनकी बहादुरी और सर्वोच्च त्याग से भारत पर हुए बड़े आतंकी हमले के दोषी को पकड़ा जा सका, जिससे इस हमले के कई भेद सामने आए। कसाब को पूरी न्यायिक प्रक्रिया के बाद 21 नवंबर 2012 को फांसी दे दी गई। लेकिन इन चार सालों में जब तक कसाब जेल में रहा, यूपीए सरकार के खिलाफ इस बात को लेकर नाराजगी बनी कि उसने एक आतंकी को जेल में बिरयानी खिलाई है। जबकि इस झूठ के बारे में 2015 में खुद उज्ज्वल निकम ने खुलासा किया है। जयपुर में आतंकवाद विरोधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने आए श्री निकम ने कहा था कि, कसाब ने कभी भी बिरयानी की मांग नहीं की थी और न ही सरकार ने उसे बिरयानी परोसी थी। मुकदमे के दौरान कसाब के पक्ष में बन रहे भावनात्मक माहौल को रोकने के लिए मैंने इसे गढ़ा था। श्री निकम के मुताबिक कसाब को आतंकवादी मानने पर कुछ लोग सवाल उठा रहे थे।

, उसके लिए मीडिया में सहानुभूति बन रही थी। श्री निकम ने कहा कि जब उन्होंने मीडिया से यह सब कहा तो एक बार वहां फिर पैनल चर्चाएं शुरू हो गईं और मीडिया दिखाने लगा कि एक खूंखार आतंकवादी जेल में मटन बिरयानी की मांग कर रहा है, जबकि न उसने बिरयानी मांगी, न सरकार ने उसे बिरयानी खिलाई थी। उज्ज्वल निकम ने तो बड़ी आसानी से झूठ बोलकर उसका खुलासा भी कर दिया, लेकिन इसके कारण कांग्रेस सरकार और खासकर सोनिया गांधी पर कीचड़ उछालने का मौका भाजपा को मिला और यूपीए सरकार को सत्ता से हटाने में मदद मिली। सियासी स्तर पर तो यह घिनौना खेल भाजपा ने खेला ही, खुद उज्ज्वल निकम ने एक खूंखार आतंकी के लिए ऐसा झूठ बोलकर देश की आतंकविरोधी नीति के साथ खिलवाड़ किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को दागदार किया। भाजपा 2014 में सत्ता में आई और 2016 में ही उज्जवल निकम को पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, फिर 2024 में चुनाव का टिकट मिला और अब सीधे राज्यसभा का मनोनयन।

एक अच्छा हेयर सीरम बालों में चमक और स्मूदनेस वापस लाता है। साथ ही साथ, कलर को जल्दी फेड होने से भी बचाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कलर्ड हेयर के लिए सीरम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं।

अक्सर अपने लुक को चेंज करने के लिए हम सभी बालों के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। कभी एक नया हेयरकट तो कभी बालों को कलर करना हमें काफी अच्छा लगता है। एक बार जब बालों को कलर कर दिया जाता है तो पूरा लुक इंस्टेंट चेंज हो जाता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि कलर्ड हेयर देखने में काफी अच्छे लगते हैं,

लेकिन इसके साथ–साथ ऐसे बालों को बेहतर तरीके से केयर करने की जरूरत होती है। दरअसल, कलर, ब्लीच या हाइलाइट्स में जो केमिकल्स होते हैं, वो बालों को रूखा व बेजान बना देते हैं। ऐसे में जरूरी होता है कि बालों की स्मूथनेस को बनाए रखने के लिए हेयर सीरम का इस्तेमाल किया जाए।

एक अच्छा हेयर सीरम बालों में चमक और स्मूदनेस वापस लाता है। साथ ही साथ, कलर को जल्दी फेड होने से भी बचाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कलर्ड हेयर के लिए सीरम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं–

हेयर सीरम बनाने के लिए क्या–क्या चाहिए

– 2 टेबलस्पून आर्गन ऑयल
– 1 टेबलस्पून जोजोबा ऑयल
– 1 टेबलस्पून नारियल तेल
– 5 बूंद विटामिन ई ऑयल
– 5 बूंद लैवेंडर एसेंशियल ऑयल
– 3 बूंद रोजमेरी एसेंशियल ऑयल

हेयर सीरम कैसे बनाएं

– एक छोटा कांच का ड्रॉपर वाला डार्क कलर बॉटल लें।
– अब इसमें आर्गन, जोजोबा और नारियल तेल डालें।
– फिर इसमें विटामिन ई और एसेंशियल ऑयल की बूंदें डालें।
– बॉटल बंद करके अच्छे से हिलाएं ताकि सब अच्छे से मिक्स हो जाए।
– इसे ठंडी और सूखी जगह पर रखें।

हेयर सीरम कैसे लगाएं–

– हेयर सीरम लगाने के लिए सिर्फ 2–3 बूंद सीरम हथेली में लें।
– हाथों से रगड़कर थोड़ा गर्म करें और फिर बालों के मिड–से लेकर एंड्स तक लगाएं।
– हल्के गीले या सूखे बालों पर लगाएं।
– अगर लीव–इन सीरम की तरह लगा रहे हैं, तो आप इसे स्कैल्प पर ना लगाएं।

– मिताली जैन

अगर आप मानसून में कपड़ों को घर के अंदर सुखा रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कपड़े हमेशा खुली खिड़की, बालकनी या पंखे के पास ही टांगे। ऐसा करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। दरअसल, ताजी हवा जल्दी नमी सुखाती है और कपड़े बदबूदार नहीं होते।

मानसून के मौसम में सबसे ज्यादा समस्या होती है कपड़ों को सुखाने की। बाहर बारिश की बूंदें होती हैं और इसलिए हम बालकनी में कपड़े नहीं सुखा सकते। अमूमन ऐसे में हम घर के अंदर कपड़े सुखाना पसंद करते हैं। भले ही मजबूरी में कपड़े घर के अंदर ही सुखाने पड़ते हैं, लेकिन इससे कपड़ों को वह धूप नहीं मिल पाती है। धूप और हवा के अभाव में कपड़ों से एक अजीब सी स्मेल आने लगती है। इस तरह कपड़ों को धोने व सुखाने के बाद भी उन्हें पहनने का मन नहीं रकता है।

हो सकता है कि आप भी इन दिनों ऐसी ही परेशानी से जूझ रही हों, लेकिन आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे कुछ घरेलू उपाय हैं, जिनकी मदद से आप कपड़ों से आने वाली इस बदबू वाली प्रॉब्लम से आराम से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान उपाय के बारे में बता रहे हैं–

सिरके का करें इस्तेमाल

कपड़ों से आने वाली बदबू का ख्याल रखने के लिए सिरके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप कपड़ों को धोते समय आखिरी बार उन्हें रिंस करने के लिए पानी में आधा कप सफेद सिरका डालें। भले ही आप वॉशिंग मशीन में कपड़े धो रहे हों या फिर बाल्टी में। सिरका उन बैक्टीरिया को मारता है जो कपड़ों में सीलन की बदबू लाते हैं।

खिड़की या पंखे के पास सुखाओ

अगर आप मानसून में कपड़ों को घर के अंदर सुखा रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कपड़े हमेशा खुली खिड़की, बालकनी या पंखे के पास ही टांगे। ऐसा करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। दरअसल, ताजी हवा जल्दी नमी सुखाती है और कपड़े बदबूदार नहीं होते।

वॉशिंग में बेकिंग सोडा डालो

कपड़ों से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप डिटर्जेंट के साथ 1–2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दो। बेकिंग सोडा की खूबी यह होती है कि बदबू को खत्म करता है और कपड़ों को फ्रेश रखता है।

– मिताली जैन

चीज मसाला पाव को सादे पाव से बनाया जाता है। इसमे स्वाद का तड़का लगाने के लिए आप बटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चीज मसाला पाव की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

पाव भाजी का नाम सुनते ही हम सभी के मुंह में पानी आ जाता है, क्योंकि इसका स्वाद लाजवाब होता है। अब मुंबई में ही नहीं बल्कि हर एक राज्य में इसका जादू चल चुका है। वहीं अब दिल्ली वाले भी पाव भाजी को देसी स्टाइल में बनाने लगे हैं। लेकिन आप बहुत ही आसान तरीके से इसको घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं। साथ ही इसको बनाने में ज्यादा सामग्री भी नहीं लगती है। जो भी सामग्री इसमें इस्तेमाल होती है, वह आसानी से आपके किचन में मिल जाएगी।

बता दें कि चीज मसाला पाव को सादे पाव से बनाया जाता है। इसमे स्वाद का तड़का लगाने के लिए आप बटर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चीज मसाला पाव की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

पाव– 4
टमाटर– 3
प्याज– 2
लाल मिर्च पाउडर– 1
हल्दी पाउडर– आधा छोटा चम्मच
पाव भाजी मसाला– 1 चम्मच
शिमला मिर्च– 1
चीज– आधा कप
धनिया पाउडर– 1 चम्मच
नमक– स्वादानुसार
तेल– 3 चम्मच
बटर– 2 चम्मच
हरा धनिया– 2 चम्मच
चाट मसाला– आधा छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं चीज मसाला पाव